**प्रेस विज्ञप्ति**

**राज भवन, राँची**

**दिनांक : 03 जनवरी, 2025 :-**

**(1) माननीय राज्यपाल ने धनबाद स्थित अमर शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।**

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज धनबाद स्थित भारतीय पुलिस सेवा के वीर अधिकारी अमर शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि रणधीर वर्मा जी ने बैंक ऑफ इंडिया, हीरापुर शाखा डकैती को विफल करते हुए अपने कर्तव्य और देशप्रेम का सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि रणधीर प्रसाद वर्मा जी ने अपनी जान की परवाह किए बिना देश की सेवा के लिए जो बलिदान दिया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रप्रेम किसी भी परिस्थिति में सर्वोपरि है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा जी की वीरता और बलिदान धनबाद ही नहीं, पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उनकी पत्नी प्रो. रीता वर्मा ने भी समाज सेवा के माध्यम से उनके आदर्शों को आगे बढ़ाया है। उन्होंने लोकसभा

में अपने दायित्वों का निर्वहन किया है और आदरणीय अटल जी के मंत्रिपरिषद में साथ कार्य किया है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने हमेशा बलिदानियों को राष्ट्र का गौरव बताया है। सभी को शहीद रणधीर वर्मा जी के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने युवाओं से आह्वान किया कि वे शहीद रणधीर वर्मा जी के जीवन मूल्यों को आत्मसात करें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज धनबाद स्थित "पहला कदम स्कूल" का अवलोकन किया। उन्होंने वहाँ की गतिविधियों व व्याप्त सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने इसके संचालन हेतु बधाई दी।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह संस्था अपने कार्यों से न केवल धनबाद जिले, बल्कि पूरे राज्य के लिए एक आदर्श व अनुकरणीय उदाहरण पस्तुत करें।

**(3) माननीय राज्यपाल ने धनबाद में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के रजत जयंती प्रांतीय अधिवेशन को संबोधित किया।**

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज धनबाद में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) झारखंड के रजत जयंती प्रदेश अधिवेशन में युवाओं को संबोधित करते हुए देश और झारखंड के विकास में उनके योगदान की सराहना की और प्रेरणादायी संदेश दिए।

माननीय राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि अधिवेशन का यह आयोजन कई ऐतिहासिक संदर्भों से प्रेरणादायी है। भगवान धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती तथा एबीवीपी के शिल्पकार प्राध्यापक यशवंत राव केलकर के शताब्दी वर्ष के दौरान यह अधिवेशन झारखंड के युवाओं को नई ऊर्जा और संकल्प का संदेश देता है।

राज्यपाल महोदय ने झारखंड की स्थापना के रजत वर्ष का उल्लेख करते हुए भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के झारखंड राज्य निर्माण में योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि राज्य गठन संबंधी विधेयक संसद में लाया गया था तो वे आदरणीय अटल जी की सरकार में मंत्रिपरिषद के सदस्य थे और लोकसभा सांसद के रूप में उन्होंने राज्य के गठन के पक्ष में मत दिया था।

माननीय राज्यपाल महोदय ने झारखंड के 82 हजार से अधिक युवाओं के एबीवीपी से जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि यह संख्या मात्र आंकड़ा नहीं, बल्कि राज्य के युवाओं की ऊर्जा और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन और झारखंड को शिक्षा, रोजगार, खेल, नवाचार तथा सांस्कृतिक विकास के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए अपना योगदान दें।
राज्यपाल महोदय ने स्वामी विवेकानंद जी के विचार 'उठो, जागो और तब तक न रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए' का उल्लेख करते हुए युवाओं को निरंतर प्रयास और समर्पण का महत्व समझाया।

राज्यपाल महोदय ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन न केवल राष्ट्रभक्ति का संदेश देता है, बल्कि युवाओं को उनकी सकारात्मक ऊर्जा के लिए एक दिशा प्रदान करता है।
माननीय राज्यपाल महोदय ने सभी युवाओं से आह्वान किया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत @2047' के विजन को साकार करने में अपनी भूमिका निभाएं।

(4) माननीय राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार से आज बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के कुलपति डॉ. राम कुमार सिंह ने धनबाद परिसदन में शिष्टाचार भेंट की।
माननीय राज्यपाल महोदय को कुलपति ने नूतन वर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक व प्रशासनिक गतिविधियों से अवगत कराया।

---